३७+८ (९०७)

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ३७+८ (९०७)

ग्रंथ नाम सानिध्यरी कोश.

विषय म० कोश.

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(1)

॥ इति श्री सा[illegible]परि[illegible]समाप्त ॥

Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. " Joint project of the "

परि भाषा

(२)

श्रीमत्परमात्मने वासुदेवाय नमः ॥ ओवी ॥ १ ॥ आद्य ब्रह्म ॥
वेद ॥ वर्णवपु ॥ आकार दिक् ॥ ४ ॥ देव ॥ स्वरूप ॥ ६
१ खेवणकोंदण ॥ ६ आंबर ॥ वस्त्र ॥ सपुर ॥ वारि १
क ॥ ९ ॥ शाउका ॥ अ[illegible]भाग ॥ विसंवाद ॥ मंतांन
र ॥ १२ ॥ खंडीतु ॥ अ[illegible]थ ॥ १४ ॥ सुविमळ ॥ आनी
निर्मळ ॥ १५ ॥ उन्मेखं ज्ञान ॥ १७ ॥ निकुंभा ॥ जं
उस्थळ ॥ ईभाहास्ती ॥ १८ ॥ मकरंद ॥ पुष्परससु

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

सैवास ॥ २० ॥ आदि बिज ॥ ॐकार ॥ २६ ॥ आवगाह
निःस्मानि ॥ २८ ॥ आभी वंदिला ॥ नमस्कारिला ॥ आभी
लासी ॥ प्रार्थीला ॥ ३० ॥ विश्रीस ॥ वरिष्ठा ॥ ३२ ॥ उत्तमि
स्कारोणी ॥ प्रवेशोनि ॥ ३३ ॥ गुरुवातीच्या ॥ थोरपण
चा ३४ ॥ शाद्धश्री ॥ श्रद्धा आम्हा ॥ सत्तुशास्त्र ॥ उत्तम
शास्त्र ॥ ३५ ॥ विरदपण ॥ जाणते पण ॥ बिकें आधीक्स ॥ ३६
उरापाडें ॥ आधीक्ष ॥ पारले ॥ प्राप्त जाहाले ॥ ४१ निवडीले ॥

(३) निधाले॥ निरवधी॥ आयाधिनाहि॥ नवनिन॥ गीता॥५२
२ कुडसीले॥ विचारिले॥५३॥ पारंगती॥ पारपावले॥५६
पलगे॥ लाहाणे॥५८॥ हे॥ गीतापद॥६०॥ आणु
रागः प्रिता॥६१॥ आथीला॥ माज्याच्या॥६६॥ कुवेक २
बोले॥ लाहे॥ ज्ञाणतो॥६८॥ उपनला॥ उपजला॥६९
आपाउ॥ आधीक॥७०॥ विवरि॥ विचारि॥ चम
कारोनि॥ झंगोटुनि॥७८॥ सघर॥ समर्थ॥७९

आथी ॥ आहे ॥ ७८ ॥ भारती ॥ सरस्वती ॥ ८१ ॥ दारयंत्र ॥ क्रो
शाचीभुतकी ॥ ८३ ॥ अडकरी वेगा ॥ लौकरि लोग रिसांगा ८५
धर्मालय ॥ घरव्यासे ॥ मीसे ॥ ९० ॥ सादुकल ॥ प्रदिपा ॥
उध्रवले ॥ उसकले ॥ ९ ॥ परिकर ॥ प्रखर ॥ आवगम
ले ॥ भासले ॥ ९२ माते ॥ प्रकारे ॥ घंटादे ॥ समुदाये ॥ ९५
कुरूटा ॥ ब्राह्मणा ॥ ९९ ॥ विक्रातु ॥ पराक्रमी ॥ १०० ॥
आडदरा ॥ भयें ॥ १०८ ॥ धात्र ॥ ब्रह्मा ॥ आराधिले ॥

Joint Project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(५)

आनुसरले ।।११।। सुभटासी ।। सुध्यासी ।।१२।। पाडें ।। आ
रांधिले ।।१३।। कुकवेनि ।। कुरकना ।।१४।। प्रसिले ।।
३ स्पीत्ले ।। येकुल्ले ।। घोडे ।।१७।। दुवाडपण ।। दुस्तरखनर ३
वेन्ही ।। विरज ।। साह्यें ।।१८।। वोंचील्ले निपाडे ।। आमुच्या
झैन्याहुनि घोडे ।।२०।। वेथु ।। दोडगा ।।२२।। आरणी ।।
रक्षणी ।। गवसनि ।। वाटणी ।।२६।। उपनना ।। वाढत १२६
नुलंगा ।। प्रतिध्वनी ।। धावें ।। बके ।।३१।। घाकडा ।।

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

बकीव्हा ।। भोगल ।। ढोल ।। ७७ ।। ईसनैले ।। वोसनले ।। १७८
काचया ।। आधीर ।। आंगनेघे ।। पुढे होइना ।। ७९ ।। तुर
वाद्य ।। बंबाळ ।। समुदाय ।। १७८ ।। विसनेला ।। वोसन
ला ।। १८० ।। अंतबू ।। येम ।। गजबजला ।। भीउनी राहि
ला ।। ८१ ।। आसुडन ।। हालन ।। ८२ ।। मोकळवाट्टि ।। स्व
स्थानत्याग ।। ८३ ।। आदिपुरुष ।। भगवंत ।। ८४ ।। घटां
न ।। समुदायान ।। ८५ ।। यक्रवरले ।। उपावले ।। दंडीदी

5

दें डी ॥ ७३ ॥ वारिवा ॥ पुरुषार्थ ॥ पाडेविण ॥ योग्यतेविण ॥ ८८

४ सिधं ॥ मोक्ष ॥ २०३ ॥ आया ॥ आकारास ॥ २२६ ॥ आनक

ळीत ॥ निरोपद्रव ॥ २८ ॥ वैसों टा ॥ वृत्तिस्थान ॥ ३४ ॥ हि ४

ये ॥ हृदय ॥ ३९ ॥ आथं ॥ कुप ॥ निर्जळकुप ॥ २४६ ॥

पारुषति ॥ नराहाति ॥ २९ ॥ राकती ॥ राहाती ॥ २५४

राके ॥ राडे ॥ पारखेराहे ॥ ८० ॥ वा निवसे ॥ मध्यगृह ॥ २६१

उगंडु ॥ ढेकुळु ॥ येसने ॥ येवढें ॥ ८४ ॥ सुदले ॥ पाहिले ॥ २७०

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

5B

उपहात॥यत्लिके॥अ॥ध्यायप्रथमसमाप्त॥श्रीकृष्णार्पणमस्तु
श्रीरमारमणायनमः आ॥ १॥ २॥ उपनल्ले॥ उपजल्ले॥
विरमल्ले॥विराल्ले॥ ६॥ आदि॥ पाहिल्ले॥ ८॥ ३॥ आश्रयो।
लारेपणाचा॥ झुरवाचा॥ ९॥ आ॥ वो आकार॥ ११ पाउसा
स्य॥ पौरुशत्व॥ पुरुशार्थ॥ १॥ आ॥ पाउ॥ आ॥ घरित॥ १८
झणी॥ कदापी॥ २०॥ आ॥ पमश॥ नाश॥ २८॥ व्याजे॥
मीसेआची॥ आहे॥ २६॥ आ॥ हिकेशी॥ येहलोकेसी॥ २८॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

ढिलेपण ॥ आधिरथ ॥ पतन ॥ आधोपतन ॥ ३७॥
प्रमाद ॥ आज्ञान ॥ तोंग भेद ॥ चीन्ह नाश ॥ ३८ विरं ॥ वि
रुधं ॥ ३९ ॥ आहाच ॥ सामान्य ॥ ४० ॥ मानपरिमाण ॥ ४१ ॥
विकारावेला ॥ वीकारपावला ॥ ४३ ॥ निरवधी ॥ आवधी
नाहिं ॥ ४५ दुर्भर ॥ दुर्घट ॥ सघर ॥ आधीक्य ॥ वर ॥ पर्यंत ॥ ४८
नवनीतसिती ॥ पाजळिले ॥ ४९ ॥ उपपत्ती ॥ युक्ती ॥ ५३ त्री
मीरावरोध ॥ नेत्ररोगव्याप्त ॥ आहाकळा ॥ ठुरपकली ॥ ५८

Joint project of the Rajawade Samshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

६४ उज्जीवन ॥ भोगसाधन ॥ कारुण्य ॥ कृपा ॥ ७१ ॥ कल्हारि ॥ कु
मके ॥ भाजेचीना ॥ राहेचीना ॥ ७२ ॥ जैसी ॥ आहे तैसी ॥ औ
ढी ॥ थोरपण ॥ ७३ ॥ आवलीक ॥ सहज ॥ ७९ ॥ आचक
पर्वत ॥ उन्मेशाची ॥ ज्ञानाची ॥ ८६॥० निरवाधि ॥ उनमा ॥ ८८
सरोष ॥ सक्रोध ॥ थोवत्ले ॥ रुप ॥ आथी ॥ आहे ॥ ८९ आ
हाच ॥ वरचेवर ॥ ११५ ॥ आकुविली ॥ बुडविली ॥ १२३ ॥
व्याप्ती ॥ व्यापकपण ॥ १२८ ॥ क्रिडाकं ॥ हिन ॥ २९ ॥

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(१) आपणी ॥ सामर्थ्ये ॥ ३२ ॥ निबुर्ध सिध्दांत ॥ ३९ ॥ आ
पजे ॥ वाढ ॥ ४२ ॥ उपैसे ॥ सहजे ॥ ४६ ॥ ना रुपे ॥ बु
६ डे ना ॥ न संभवे ॥ उठेना ॥ न प्रभवे ॥ शुध्द न व्हे ॥ ४९ ६
आपुनो व्हे ॥ प्रासनो व्हे ॥ ५० ॥ आविद्य नी ॥ विकाररहित ॥ ५२
अंनवंत ॥ नासीवंत ॥ ५५ ॥ आन स्फुरे ॥ आंस्वड ॥ ५८ ॥ ओपरि
हर ॥ आणिवार ॥ ६० ॥ परि ष्यास ॥ दिसे ॥ ६२ ॥ निरवधि ॥ अं
स्यांत निःसीम ॥ ६४ ॥ सुदले ॥ केवळ ॥ ६५ ॥ नाउलीजे ॥ आ

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

उत्सुकीजे ॥१९३॥ परिग्रहे ॥ अंगीकारे ॥ व्यानीप्रीती ॥ पडीभरे
आधीक्ये ॥९५॥ अहना ॥ दृष्टांत ॥९७॥ धाडीले ॥ गमविले ॥९८॥
आभीज्ञाय ॥ निंदाकरिल ॥९९॥ गति ॥ दयेस्तव ॥ पलायण ॥ न
मनैल ॥ नकळेल ॥ पकाललाणती ॥२०४॥ पायेकदाचीत्र ॥२०६॥
मारुता ॥ माघारा ॥१९३॥ वाटजाले ॥ बकळूर ॥१९८॥ कुरि ॥
निंदा ॥२०७॥ अनकळकीन ॥ सहज आनायासें ॥२३॥ फुकचा
नावेन ॥ विपाये ॥ कदाचीत्र ॥२४॥ अमृत ॥ दुधे ॥ मुक्तकीन
संक्षीप्त ॥३५॥ आचुंबीन ॥ निश्चीन ॥३७॥ निरक्षीजे ॥ ईक्षी

the Rajwade Sanshodhan Mandal Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(४)

जे ।। आप ।। जानीयां ।। भियेश्रीया ।। आक्रुनसवे ।। स्वाधीन ।।
नवरि ।। ७८ ।। थेंकुरि ।। त्काहाने ।। ४ मात्काहोणे ।। प्राव्य ।। ४३ ।। विकूर
दि ।। विषयाकार ।। दृष्ट ।। प्राप्त ।। ४८ ।। अभीभुन ।। वस्तु ।। ८४ धाडी
मि ।। दवडीनी ।। ८६ ।। आवर ।। व्यापील ।। ८९ ।। ठोके ।। राहे ।। आ
परिनाबे ।। आसंनोबे ।। ७० ।। संगुण ।। संपुर्ण ।। ७५ ।। कर्मझेष
कर्मसाध्य ।। ७७ ।। परंगत ।। प्राप्त सीध्द ।। ७९ ।। निरामय ।। नीवी
ध्र ।। ८० ।। पारूबत्न ।। राहेल ।। ८१ ।। उन्मेखे ।। संतोझे ।। ८८ ।।
भुजे ।। भोगी ।। ८९ ।। विल्हसे ।। झोभे ।। ९४ ।। आनी ।। इच्छा ।। आइपे
जेना ।। आडचेना ।। ९८ ।। आनवपी ज ।। व्यापक ।। ९९ ।।

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

8A

सनाभीभैवे ॥ नागवे ॥ ३०१ ॥ उवाईला ॥ उछाहसु ॥ ३०७ ॥
रसहटें ॥ रसनिग्रहे ॥ ३०५ ॥ अयां ॥ आकार ॥ १६ ॥ थोडावेल
आसमर्थ ॥ टाये ॥ रोह ॥ ७ ॥ संवन ॥ स्वाधिन ॥ ३२२ ॥ उपन
ला ॥ उपजला ॥ संमोह ॥ मोटा मोह ॥ २३ ॥ आहवा ॥ नहो
ते ॥ आक्रविजे ॥ कष्टीकी ॥ [illegible] २५ ॥ प्रवेग ॥ आघले पण ॥ ३०
विपाये ॥ कदाचीत ॥ यस[illegible] ॥ पैवठे ॥ ३४ निभ्रीत ॥ आ
भीत ॥ ३९ ॥ आपूविवैजे ॥ वुउविजे ॥ ४२ ॥ कउसनी ॥ वि
चार ॥ ४९ ॥ दुरावची ॥ भोवरा ॥ ४८ ॥ रझदा ॥ थोडाहि ॥ ३६० ॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(१)

आघृती ॥ अधैर्य ॥ ५३ ॥ पावक ॥ शुच ॥ पाल्ल वेणपर्णज्ञाळ
दवडोनी ॥ जीणोनी ॥ २५ ॥ उवारल्ला ॥ सुरवीजाल्ला ॥ २७ ॥
८ इतीद्वितीयोध्यायः समाप्तः ॥ २७ ॥ श्रीवल्लभायनमः ८
आध्या ॥ २ ॥ वोवी ॥ ८ ॥ तोरा नि ॥ करुन ॥ सुय ॥ घाल्ल
णे ॥ ९ ॥ सुईजे ॥ चाळली ॥ ११ ॥ नवाई ॥ नवल्ल ॥ आनुस
रलीयां ॥ कारणआलीया ॥ १२ ॥ वोंटगावे ॥ विस्वासावें १५
ध्यानिदे ॥ संक्षपे ॥ आवगमीना ॥ विचारितां ॥ १७ ॥ म
न्होरे ॥ स्पष्ट ॥ २२ ॥ आपेते ॥ स्वाधीन ॥ २४ ॥ टाकावें ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

पावावें।।मागीतलें।।धांव न आला।।५३।।सावेसा।।स्वईच्छा।।
पाहाला।।उवाला।।५४।।ध्वनी दु।।सद्दीस।।५५।।उनूं।।बो
लीली।।५६।।सारिख्या।।सानि।।५७।।च्येकायेरु।।नीघण।।
निपुन।।निर्वाण।।मोक्ष।।वेके।।चीदझुघंस मंई।।५८।।कर्म
हिणा।।निष्कर्म।।आपरितें।।आरंभीलें।।५९।।व्येर्थ।।सय
रो।।६०।।परतंत्र।।पराधीन।।६१।।निष्कर्मु।।ब्रंह्म निष्ठ।।६२
फुडें।।खरें।।६३।।गुढा।।गुप्त।।६४।।नसीपे।।भीजेना।।६५।।
सोय।।मार्ग।।नवूके।।६६।।वीक्षे षीजे।।घोरहाण ना।।६७

(10)

नसंभवे ॥ नघडे ॥८७॥ हेतु ॥ आहंकार ॥८८॥ परतंत्र ॥
९ पराधीन ॥ भुनल ॥ भुलले ॥८९॥ स्वस्था ॥ प्रकार ॥९० ९
साकांक्ष ॥ काम्य ॥९१॥ परितोष ॥ संतोष ॥ स्लाघनीय ॥ आ
हेतरातानील ॥१०१॥ कादन ॥ धावन ॥ २॥ आनाची ॥
सुखी ॥ निवन ॥० आयांन रन ॥४॥ स्तुरि देवी ॥६॥ आ
पील्ले ॥ समर्थे ॥८॥ आपाव ॥ नाच्छ ॥१११ निजवृती ॥
आपुल्ले कर्म ॥११४॥ दैन्यजात ॥ दिनता ॥११५॥ निजवृती
आपुला स्वधर्म ॥११८॥ निरनरैं ॥ नसुरा ॥११४॥ प्ररोह ॥

10A

उत्पत्ती ॥ वर्षु ॥ प्रजेन्य ॥ १३५ ॥ आक्षर ॥ ब्रंह्म ॥ ब्रंह्मसंबंध
ब्रह्मरूप ॥ १३७ ॥ आर्ति: प्रीती ॥ आधीवास ॥ राहाणे ॥ १४४ ॥
वाघेआले ॥ प्रवाहे ॥ वोसंडावे ॥ संडावें ॥ नर्शीपे ॥ नत्ती
पेची ॥ १५१ ॥ आनुसरली ॥ आंकीराली ॥ कैवल्यमोक्ष ॥
वोजे ॥ उबजे ॥ १६१ ॥ वरके ॥ संक्रात ॥ १७८ ॥ आथीला ॥
सेपम ॥ सविशेष ॥ आघवेकरावे ॥ १८३ ॥ खेळना ॥ स
हज ॥ १९२ ॥ आनुपरोध ॥ यथार्थ ॥ १९५ ॥ आर्थवाद ॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे

राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)

दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८

Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com